

HISTORY (H)

B. A Part-I paper-II

Page No. -
Date -
Signature -

Q10 → द्वितीय विश्व युद्ध कालीन एकरा का विवरण कैसे हुआ है
द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका, ब्रिटेन, एवं फ्रांस ने अपनी-अपनी युद्ध शक्तों को एकत्र कर दूसरी राहों (गर्मी राहों एवं जापान) का दरवाजा खोला किन्तु युद्ध के समय मित्र राष्ट्रों की इस एकरा में ऐला-एला सेनाएं थीं कि युद्ध के बाद शांति स्थापित होगी, किन्तु विश्व युद्ध समाप्त होने ही यह आशा रही सिद्ध नहीं हुई। इस एवं अमेरिका के रूप में दो महा शक्तों का उदय हुआ। युद्ध कालीन एकरा का विवरण है यथा मिलके निम्नलिखित कारण हैं: -

① सौविमल संघ की समाजवादी व्यवस्था: - युद्ध कालीन एकरा का विवरण का महत्वपूर्ण कारण सौविमल संघ में समाजवादी व्यवस्था का विकास था। युद्ध के समय तो ब्रिटेन, फ्रांस एवं अमेरिका जैसे पूँजीवादी देशों की समाज व्यवस्था दूसरी राहों का दमन थी। अतः इस को अपनी शक्ति में मिलाने के लिए उन्हें इसी व्यवस्था पर प्रत्यक्ष विरोध करना पड़ा। परन्तु अमेरिका अपने वे इस का दमन दमन करने चाहते थे कि सभी समाजवादी व्यवस्था पूँजीवाद के लिए आवश्यक नहीं है। कारण यह कि 1941 ई. में गर्मी द्वारा इस पर आक्रमण करने पर 1945 ई. में इस के बीच हुए समझौते को धुलकने का कोई प्रयास नहीं किया गया। पश्चिमी देशों ने तो इसे निषेधात्मक नहीं की संसार में इस के इस प्रयत्न को कि युद्ध का द्वितीय मोर्चा फ्रांस में खोला जाना चाहिए, चर्चिल ने यह कहकर खारिज कर दिया कि इसमें मोर्चा बालकन प्रदेश में खोला चाहिए, क्योंकि यह बहुत महत्व रखता है अतः इस पर 1942 ई. से 1949 ई. तक जारी रखी पूँजीवादी मित्र देश-याहने भी नहीं थे कि इस पर गर्मी के दमन, प्रहार हो कि इस युद्ध विरत न उठा सके।

② सौविमल संघ का राष्ट्रीय आन्दोलनों के प्रति रुझान: - पूँजीवादी एवं साम्राज्यवादी शक्ति के प्रभुत्व से अपने को आजाद करने के लिए एशिया एवं अफ्रीका के विभिन्न उपनिवेशों में तो राष्ट्रीय आन्दोलन चल रहे थे। उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध ने और अधिक उत्साह दिया। इस इस प्रकार के आन्दोलनों का पक्षपाती था, किन्तु ब्रिटेन ने इस प्रकार के आन्दोलनों को कुचलने का महत्त्व प्रमाण किया अतः इस एवं ब्रिटेन के संबंध में दूर दूरी युद्ध हो गई।

③ युद्ध काल में इस के प्रति अभिप्राय: - युद्ध काल में इस के मित्र राष्ट्रों ने सदा ही उसके प्रति अभिप्राय की व्याख्या रखी। 13 अगस्त 1943 ई. को चर्चिल ने यूगोस्लाविया और यूनान में राजवंशों के पुनर्स्थापन की बात कही। मार्शल टी. ए. द्वारा इस बात का विरोध किया गया पर चर्चिल ने उसे समझा देना नहीं कहा कि जो/जिस अमेरिका ने जापान पर हमला कर दिया था उसे ब्रिटेन

